www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 330 || लखनऊ
शनिवार
07 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:24
सूर्यास्तः 06:11
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 03

विशेष समाचार
भारतीय शिक्षा का वैश्वीकरण... >> पेज 02
एनएसजी कमांडो की मौत, 3 दोस्तों... >>पेज 04
फिल्म वृषकर्मा के इवेंट में कुर्सी से...

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारत

ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, क्रूड ऑयल की कीमत 89 डॉलर के पार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत आज 4% बढ़कर 89.18 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद इसका उच्चतम स्तर है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' ने तेल खरीद के लिए ये लाइसेंस जारी किया है। इसके तहत 5 मार्च तक जहाजों पर लोड हो चुके रूसी कच्चे तेल की ही डिलीवरी भारत को की जा सकेगी। यानी, जो जहां पहले से समुद्र में है।

■ मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 89 डॉलर के पार चला गया है।

राजनाथ सिंह बोले- होर्मुज में रुकावट का तेल-गैस सप्लाई पर असर

ईरान संघर्ष के असर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज या पूरा फारस की खाड़ी वाला इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जब इस क्षेत्र में कोई बाधा या रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है.। ये अनिश्चितताएं सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मौजूदा स्थिति काफी जटिल हो गई है और ऐसा लगता है कि भविष्य में यह और भी ज्यादा अस्थिर हो जाएगी। जिस तरह से अलग-अलग देश जमीन, हवा, समुद्र और अब अंतरिक्ष में भी एक-दूसरे के साथ मुकाबला कर रहे हैं, वह हम सभी के लिए वास्तव में चिंता का विषय है... मुझे और भी ज्यादा चिंता इस बात की है कि यह असामान्यता अब 'न्यू नॉर्मल' बनती जा रही है....

भारत ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल खरीदता रहा है

पिछले साल नवंबर में यूक्रेन के साथ जंग के चलते ट्रम्प प्रशासन ने रूसी तेल कंपनियों लुकोइल और रोजनेफ्ट पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद जनवरी में भारत का रूसी तेल आयात गिरकर 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया था, जो नवंबर 2022 के बाद सबसे कम था। हालांकि, फरवरी में यह हिस्सेदारी फिर से बढ़कर 30% तक पहुंच गई है। भारत लगातार अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदता रहा है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के बावजूद, भारत में फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। सरकार और तेल कंपनियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और इस अमेरिकी छूट से सप्लाई चेन को मैनेज करने में मदद मिलेगी।

ईरान-इजराइल जंग से कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही

मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20% तेल सप्लाई होती है। तेल क्षेत्रों पर हमलेः पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरामको की 'रास तनुरा' रिफाइनरी और इराक के 'रुमैला' तेल क्षेत्र जैसे बड़े केंद्रों पर हमले हुए हैं। कीमतों में उछालः ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के कारण ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड की कीमतें बढ़ रही हैं।

भारत के लिए क्यों जरूरी है रूसी तेल?

» **सस्ता विकल्पः** रूस भारत को बेंचमार्क कीमतों से डिस्काउंट पर तेल ऑफर करता है।

» **सप्लाई सिक्योरिटीः** मिडिल ईस्ट में तनाव होने पर स्ट्रैट ऑफ होर्मुज से सप्लाई रुक जाती है, रूस एक सुरक्षित विकल्प है।

» **इकोनॉमी पर असरः** सस्ता तेल मिलने से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहती हैं और महंगाई काबू में रहती है।

कांग्रेस का आरोप- ट्रेड डील साइन नहीं हुई तो अनुमति कैसी

कांग्रेस नेता ने पवन खेड़ा ने इस मामले को व्यापार समझौते से जोड़ते हुए X पर पोस्ट कर कहा कि ट्रेड डील पर हस्ताक्षर नहीं हुए, फिर भी ऐसा लग रहा है जैसे प्रतिबंध लागू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि, अनुमति वहां ली जाती है जहां कोई बंधन होते हैं। बंधन वहां होते हैं जहां कोई समझौता या करार होता है। समझौता वहां होता है जहां हस्ताक्षर हो चुके होते हैं। क्या भारत अमरीका के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं? जब हस्ताक्षर ही नहीं हुए, तो समझौता कैसा? जब समझौता ही नहीं, तो बंधन कैसा? जब बंधन ही नहीं, तो अनुमति क्यों? क्या यह एपस्टीन का बंधन है?

66 बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी।

यूपीएससी सिविल सर्विस 2025 फाइनल रिजल्ट जारी

विमल कुमार 107वीं रैंक पर, डाक विभाग के अधिकारी को मिली 347वीं रैंक

इसी साल बदले आईएएस-आईपीएस कैडर एलोकेशन रूल्स

भारत सरकार ने UPSC कैडर अलॉटमेंट के लिए 2017 से चली आ रही 'जोन सिस्टम' की व्यवस्था को खत्म कर दिया है। इसकी जगह नई 'कैडर एलोकेशन पॉलिसी 2026' लागू कर दी गई है। इसके तहत अब 'साइकिल सिस्टम' के जरिए अफसरों के कैडर का बंटवारा होगा। ये पॉलिसी इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (IAS), इंडियन पुलिस सर्विस (IPS) और इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (IFoS) के लिए चयनित उम्मीदवारों पर लागू होगी।

चयनित

तमसा संकेत, एजेंसी

UPSC ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप किया है। 958 कैंडिडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए चयनित हुए हैं। पूरा रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर उपलब्ध है। जारी रिजल्ट में कुल 180 कैंडिडेट्स IAS के लिए चयनित हुए हैं। IFS के लिए 55 कैंडिडेट्स का चयन हुआ है। वहीं, 150 IPS चुने गए हैं। अनुज पहले भी 2 बार UPSC एग्जाम क्लियर कर चुके हैं। UPSC 2023 में पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली में SDM के पद पर नियुक्ति मिली थी। अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर में काम करते हैं। मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। अनुज ने रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्रीय स्कूल से पढ़ाई की है। 12वीं में उनके 94 प्रतिशत नंबर आए थे। अनुज को टेबल टेनिस खेलना पसंद हैं। पढ़ें पूरी खबर पंचकूला के रहने वाले एकांश ढुल ने तीसरी रैंक हासिल की है। एकांश ढुल परिवार के साथ सेक्टर 12A में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी मां निर्मला स्कूल प्रिंसिपल हैं। पिता कृष्ण ढुल भाजपा नेता हैं। एकांश ने साल 2024 में UPSC में 342वीं और साल 2025 में 295वीं रैंक हासिल की थी। पढ़ें पूरी खबर यूपी के शामली की आस्था जैन को 9वीं रैंक मिली है। आस्था ने 2024 में UPSC क्वालीफाई किया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

नई नीति में सभी 25 कैडरों को वर्णानुक्रम यानी अल्फाबेटिकल ऑर्डर (ए, बी, सी....जेड) में अरेंज कर 4 ग्रुप्स में डिवाइड किया गया है:

■ **ग्रुप-I:** AGMUT (दिल्ली/केंद्र शासित प्रदेश), आंध्र प्रदेश, असम-मेघालय, बिहार, छत्तीसगढ़

■ **ग्रुप-II:** गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश

■ **ग्रुप-III:** महाराष्ट्र, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु

■ **ग्रुप-IV:** तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल

पुराने सिस्टम में मान लीजिए अगर कैंडिडेट ने नॉर्थ जोन के हरियाणा कैडर को प्रेफरेंस दिया। ऐसे में प्रॉबेबिलिटी रहती थी कि कैंडिडेट को अगर हरियाणा नहीं भी मिलता था तो राजस्थान या उत्तर प्रदेश मिल जाता था। लेकिन नए सिस्टम में एक जोन के भीतर अल्फाबेटिकली अरेंज स्टेट होते हैं। इसका मतलब H- हरियाणा, J-झारखंड और K- केरल एक जोन में होंगे। ऐसे में नियुक्ति हरियाणा के अलावा झारखंड, कर्नाटक और केरल भी मिल सकता है।

यूपीएससी 2025 फाइनल टॉपर्स

फास्ट न्यूज

वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश

नई दिल्ली। असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में ट्रेनिंग के दौरान रडार से गायब हुआ भारतीय वायु सेना का सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया है। हादसे में दोनों पायलट स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर की भी मौत हो गई है। पूर्वेश ऑपरेशन सिंदूर का भी हिस्सा थे। वायु सेना ने गुरुवार देर रात 1 बजकर 9 मिनट पर क्रैश की पुष्टि की थी।

कर्नाटक बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर बैन लगाएगा

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का ऐलान किया। कर्नाटक ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। सीएम सिद्धारमैया ने बजट भाषण के दौरान कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर गलत असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, इस बैन को किस तरह लागू किया जाएगा, इसकी तैयारी चल रही है और जल्द ही नियम बनाए जाएंगे।

हम बंटे हुए हैं, इसलिए आक्रमण हो रहे हैं : भागवत

जैसलमेर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा- आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं क्योंकि हम सोए और बंटे हुए हैं। हम वास्तव में एक ही हैं, पंथ-संप्रदाय से अलग हैं। संस्कृति, देश, समाज के नाते हम एक हैं। ज्ञान नहीं है तो वह भेद मानता है। आज से सद्भावना की शुरुआत कर देनी चाहिए। मेरा एक-एक मित्र कुटुम्ब होगा, उनका मेरा यहां आना-जाना, सुख-दुख, खाना-पीना सभी रहेगा।

ममता बनर्जी कोलकाता में धरने पर बैठीं

कहा- चुनाव आयोग ने जिन वोटर को मृत बताया, मैं उन्हें सामने लाऊंगी

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में वोटर रोल से नाम हटाने के खिलाफ धरना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्ट-SIR प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं। कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर शुरू हुए इस विरोध के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि BJP और चुनाव आयोग बंगाली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस साजिश को बेनकाब करेंगी। TMC प्रमुख ने आरोप लगाया कि संशोधित वोटर सूची में कई मतदाताओं को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वे धरना स्थल पर लाकर दिखाएंगी, जिन्हें चुनाव आयोग ने मृतक के रूप में दर्ज कर दिया है। यह धरना दोपहर करीब 2:15 बजे शुरू हुआ। प्रदर्शन राज्य में चुनाव आयोग के पूरे दल के प्रस्तावित दौरे से दो दिन पहले हो रहा है। इसकी घोषणा पहले TMC के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

सीएम ने 50 क्यूआरटी वाहनों को दिखाई हरी झंडी

लोकभवन से रवाना किया, कहा- 2017 के बाद यूपी दंगा-कर्फ्यू मुक्त हुआ

- सीएम योगी ने उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पुलिसवालों को संबोधित किया।
- क्यूआरटी बाइक्स के उद्घाटन के समय लोकभवन में पुलिस के कई अधिकारी मौजूद रहे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक और कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के लोक भवन से 50 क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) बाइक्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के माध्यम से आपात स्थितियों में पुलिस की प्रतिक्रिया और भी तेज होगी। घटनास्थल पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को दंगा-ग्रस्त और कर्फ्यू-ग्रस्त राज्य के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। सरकार और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर हुई है। 2017 के बाद प्रदेश दंगा-कर्फ्यू से मुक्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए तकनीक, संसाधन और पुलिस बल को लगातार सशक्त किया जा रहा है, ताकि आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर सके।

66 *मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और बेहतर समन्वय के लिए क्यूआरटी वाहनों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सरकार का लक्ष्य है कि किसी भी घटना की सूचना मिलने के बाद कम से कम समय में पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और आमजन को सुरक्षा का भरोसा मिल सके।*

मॉडर्न टूल्स और कम्युनिकेशन से लैस हैं बाइक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 50 QRT वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। QRT वाहनों को मॉडर्न टूल्स और कम्युनिकेशन सिस्टम से लैस किया गया है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर सकेगी।

"पहली बार कानून-व्यवस्था चुनाव का मुद्दा बनी"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में पहली बार कानून-व्यवस्था भी चुनाव का मुद्दा बनती दिखाई दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि कोई सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्ता में आई है और यह उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से 2022 के बीच यूपी पुलिस ने जिस तरह काम किया, उससे एक समय अराजकता, दंगों और कर्फ्यू के लिए पहचाने जाने वाले राज्य की छवि बदलकर 'सेफ यूपी' के रूप में सामने आई है।

फैसला : सीएम हाउस की बैठक में विधायक रोए ■ बोले- बिना नीतीश के निशांत नहीं चाहिए

8 मार्च को जेडीयू जॉइन करेंगे नीतीश के बेटे निशांत

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। CM हाउस में मुख्यमंत्री की JDU विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक खत्म हो गई है। बताया जा रहा है कि बैठक में मौजूद कई विधायकों ने मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने के फैसले का विरोध किया है। इस पर CM ने कहा- विरोध मत करिए मैं राज्यसभा जा रहा हूं। मैं वहां से सब देखता रहूंगा। बैठक में मौजूद विधायक विनय चौधरी ने बताया कि 'मीटिंग के दौरान नीतीश भावुक हो गए। विधायक उन्हें देखकर रोने लगे। सभी एक स्वर में उनसे फैसला वापस लेने को कहने लगे। मुख्यमंत्री के राज्यसभा के लिए नामांकन करने के बाद से JDU कार्यकर्ताओं में भी गुस्सा है। वो इसे साजिश बता रहे हैं।

इसको लेकर जदयू दफ्तर के बाहर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। शुक्रवार को जदयू कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के पोस्टर पर कालिख पोती। इसके साथ ही पटना में जगह-जगह पोस्टर लगाए हैं। जिस पर लिखा है, 'नीतीश सेवक कर रहा पुकार, नेता करें अपने निर्णय पर विचार।'

बिहार की नई सरकार को पूरा सपोर्ट करूंगा

नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने X पर लिखा था कि, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा।' नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है। बीजेपी अपनी सहयोगी पार्टी को खत्म कर देती है। बीजेपी ने नीतीश को हाईजैक किया है।

66 मुख्यमंत्री ने विधायकों से कहा, अब छोड़ दीजिए। मुझे जाने दीजिए। नीतीश राज्यसभा जाने पर ही अड़े रहे। इसके बाद निशांत को राजनीति में लाने के पर सभी विधायकों ने हाथ उठाकर अपनी सहमति जताई।' मीटिंग के नेताओं ने कहा कि 8 मार्च को निशांत कुमार जेडीयू जॉइन करेंगे।

ललन सिंह बोले- अगला सीएम नीतीश तय करेंगे

बैठक में मंत्री अशोक चौधरी, विजय चौधरी और संजय झा मौजूद रहे। निशांत इस मीटिंग में शामिल नहीं हुए। इससे पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने बारी से बारी से मुख्यमंत्री मुलाकात की।

लोग केरल स्टोरी-2 नहीं देख रहे, ये अच्छी खबर : राहुल

फिल्मों और मीडिया का इस्तेमाल प्रोपेगैंडा के लिए हो रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

इडुक्की। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि फिल्म केरल स्टोरी-2: गोज बियॉन्ड को ज्यादा लोग नहीं देख रहे हैं और यह अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि फिल्मों, टीवी और मीडिया का इस्तेमाल तेजी से प्रोपेगैंडा के रूप में किया जा रहा है। केरल में इडुक्की के कुट्टिकनम स्थित मैरियन कॉलेज में शुक्रवार को छात्रों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। एक छात्र ने फिल्मों के प्रोपेगैंडा के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर सवाल पूछा था। इस पर गांधी ने कहा- अच्छी खबर यह है कि केरल स्टोरी खोखली लगती है और लोग इसे देखने नहीं जा रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि बहुत से लोग केरल और उसकी परंपराओं व संस्कृति को ठीक से नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा कि आज फिल्मों, टेलीविजन और मीडिया को तेजी से नफरत फैलाने का हथियार बनाया जा रहा है।

■ राहुल ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और डीन कुरियाकोस के साथ केरल के पारंपरिक मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू के कुछ स्टेप्स भी आजमाए।

सम्पादकीय

नीतीश के बिना बिहार

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ऐसे अनुमान लगाए जा रहे थे कि दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल शायद ही पूरा करें, लेकिन इसकी संभावना कम ही थी कि वह पांच माह के अंदर ही बिहार की कमान छोड़कर राज्यसभा जाने का फैसला ले लेंगे, लेकिन अंततः ऐसा ही होने जा रहा है। राज्यसभा के लिए उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है और अब इसकी प्रतीक्षा हो रही है कि उनकी जगह मुख्यमंत्री पद कौन संभालेगा? फिलहाल यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या राज्य की कमान जनता दल-यू के किसी नेता के हाथ होगी या फिर भाजपा के पास? अधिक संभावना यही है कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास आए और उप मुख्यमंत्री पद जनता दल-यू के हाथ, लेकिन इस बारे में अभी कुछ कहना कठिन है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में प्रवेश कर नई सरकार में कोई भूमिका निभाएंगे या नहीं? जो स्पष्ट है, वह यही कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की लंबी पारी का अंत होने जा रहा है। यह एक तरह से एक युग का समापन है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के पीछे यह तर्क दिया कि उनकी इच्छा संसद के उच्च सदन जाने की थी, लेकिन इसमें कोई बहुत दम नहीं दिखता, क्योंकि यह स्वाभाविक नहीं जान पड़ता कि कोई मुख्यमंत्री और अपने दल का सर्वेसर्वा राज्य की बागडोर छोड़कर राज्यसभा में सेवाएं देने का फैसला करे।

यह संभव है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्यगत कारणों से मुख्यमंत्री पद छोड़ने का फैसला किया हो। यदि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने के वास्तव में यही मूल कारण है तो उनकी प्रशंसा करनी होगी, क्योंकि आज के युग में ऐसे नेता दुर्लभ हैं, जो कमजोर स्वास्थ्य के कारण इतने बड़े पद का त्याग करने का निर्णय लें।

उनके राज्यसभा जाने की बात सामने आते ही विपक्षी दलों की ओर यह जो शोर मचाया जा रहा है कि आखिरकार भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए बाध्य किया, वह अतिरंजित ही है, क्योंकि वे कोई सामान्य नेता नहीं। यह ठीक है कि विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ा दल है, लेकिन संख्याबल के मामले में जद-यू की उससे चार सीटें ही कम हैं।

यह भी ध्यान रहे कि जद-यू पिछली विधानसभा के मुकाबले कहीं अधिक बेहतर स्थिति में है। ऐसे में ऐसे किसी आकलन को सही नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर किया। नीतीश कुमार राज्यसभा अवश्य जा रहे हैं, लेकिन बीते लगभग 20 वर्षों के अपने शासनकाल में वे जिस तरह बिहार को तमाम समस्याओं से उबारकर पटरी पर लाए, उसे देखते हुए उनके उत्तराधिकारी के सामने राज्य को तेजी से आगे ले जाने की चुनौती होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के वक्त ही लिख ली गयी थी नीतीश को हटाने की पटकथा

पूरा देश जब होली मना रहा था तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भाजपा ने सियासत में एक ऐसा रंग घोला कि बिहार की पूरी सियासत ही बेरंग हो गयी। जब होली के दिन इस बात की खबर उड़ी कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा सकते हैं तो शायद किसी को यकीन नहीं हो रहा था । मीडियाकर्मी भी इसे बहुत गंभीरता से नहीं ले रहे थे लेकिन जब गुरुवार सुबह नीतीश कुमार का एक्स पर ट्वीट आया तो खबर पक्की हो गयी लेकिन इसके साथ ही कई चर्चाओं ने भी जन्म ले लिया। क्या ये सब कुछ अचानक हो गया या फिर नवंबर 2025 में ही इसकी पटकथा लिखी जा चुकी थी जब बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम आये थे । बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद इस बात की चर्चा बहुत तेजी से पैर पसार रही थी जब कम सीटें होने के बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी और भाजपा ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाये लेकिन हमारे नेता नीतीश कुमार ही होंगे। तभी ये साफ हो गया था कि इसमें कुछ न कुछ तो खेल हो रहा है और यह भी तय था कि नीतीश कुमार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायेंगे लेकिन इतनी जल्दी हो जायेगा, यह किसी को यकीन नहीं था। क्योंकि आधुनिक भाजपा का यह चाल-चरित्र और चेहरा रहा है कि वह सहयोगी दलों को बहुत देर तक बर्दाश्त नहीं करती, वह भी तब जब वह 'अपर हैंड' हो । ऐसा एक नहीं 6-7 राज्यों में अब तक हो चुका है। चाहे महाराष्ट्र हो, या अन्य राज्य जबकि पश्चिम बंगाल, झारखंड, पंजाब ऐसे राज्य हैं जहां अभी तक भाजपा अपनी इस सियासत को दोहरा नहीं पायी है। सियासी गलियारों में फैले सूत्रों की मानें तो जब बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम आये तभी नीतीश कुमार और भाजपा में यह डील हो गयी थी कि आप तीन महीने सत्ता संभालिये बाद में आप केंद्र में आ जाइयेगा और बिहार में भाजपा का सीएम हो जायेगा। कम सीटें आने के चलते नीतीश कुमार ने यह स्वीकार कर लिया था। और इसी डील के चलते नीतीश कुमार ने गुरुवार सुबह ही खुद ट्वीट किया कि वह राज्यसभा जाना चाहते हैं। उन्होने लिखा कि उनकी एक इच्छा थी कि वह राज्यसभा भी जायें आज उनकी यह इच्छा पूरी हो रही है।

■ राजेश श्रीवास्तव

भारतीय शिक्षा का वैश्वीकरण आवश्यक

> *हमें शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में ऐसे उत्कृष्ट शोधार्थी और शिक्षक तैयार करने होंगे, जो वैश्विक छात्र समुदाय और विद्वानों को अपनी ओर आकर्षित कर सकें। ज्ञान की गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करना ही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला होगी।*

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हाल में कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण देश की प्रगति और सर्वांगीण विकास के लिए एक आवश्यक तत्व है। उनके अनुसार दुनिया भर में भारतीय शिक्षा और शोध की समृद्ध नवोन्मेषी परंपरा तथा इसके गतिशील वर्तमान का अकादमिक वृत्तांत प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। यह लक्ष्य तभी संभव होगा, जब शिक्षा और शोध के क्षेत्र में हमारी वैश्विक आवाजाही तथा ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ेगा। वे निरंतर इस पर भी बल देते रहे हैं कि उच्च शिक्षा के इस वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विज्ञान और समाज विज्ञान को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करना होगा। जब तक विज्ञान और समाज विज्ञान परस्पर समन्वय के साथ कार्य नहीं करेंगे, तब तक भारतीय शोध का नवोन्मेष अधूरा रहेगा। तकनीकी और सामाजिक विषयों के एकीकृत प्रयास भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

जहां तक समाज विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रश्न है, इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श की तत्काल आवश्यकता है। पहली महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की रुचि केवल भारत के आइटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय समाज विज्ञान में भी गहरी रुचि ले रहे हैं। उनके लिए भारत सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश और सबसे बड़ा विकासशील बाजार भी है। ऐसे में भारत के वर्तमान इतिहास, सामाजिक संरचना और उभरती आर्थिकी को समझना उनके लिए एक बड़ी बौद्धिक चुनौती और अवसर है। दूसरा बिंदु यह है कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इन संस्थानों में लिबरल स्टडीज, समाज विज्ञान और कौशल विकास के लिए पर्याप्त स्थान होगा। यह भारतीय छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सामाजिक विषयों के अध्ययन का अवसर प्रदान करेगा। तीसरा और सबसे अहम पहलू यह है कि वर्तमान में दुनिया के विभिन्न देशों के बीच केवल आर्थिक विकास की ही प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक शोधों के साथ-साथ बाजार, राजनीतिक आर्थिकी और समाज वैज्ञानिक विमर्शों के बीच एक वैचारिक टकराहट भी चल रही है। प्रत्येक विकसित और विकासशील राष्ट्र चाहता है कि उसकी सफलता और विशिष्टता का नैरेटिव उसके आर्थिक प्रभाव के विस्तार को मजबूती दे।

जो वैश्विक कारपोरेट घराने पूरी दुनिया में अपने व्यापार का विस्तार कर रहे हैं, उन्हें भी अपनी रणनीतियों के लिए न केवल वैज्ञानिक, बल्कि समाज वैज्ञानिक वृत्तांत चाहिए। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा बढ़ रहा है, जिसे अब सुदृढ़ अकादमिक और समाज वैज्ञानिक शोधपरक वृत्तांतों के समर्थन की आवश्यकता है, पर विडंबना यह है कि वर्तमान में अधिकांश समाज वैज्ञानिक शोधों में हम अपने समाज, विकास और आर्थिकी के सकारात्मक तत्वों को खोजने के बजाय नकारात्मक विमर्शों में ही उलझे हुए हैं। प्रतिष्ठित समाज वैज्ञानिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों को अब इस दिशा में सार्थक एवं सकारात्मक पहल करने की महती आवश्यकता है।

इसी दिशा में टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल 'टीस-ग्लोबल' के नाम से शुरू करने जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत दुनिया भर के उन विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा, जो भारत पर शोध कर रहे हैं। साथ ही देश के दिग्गज समाज विज्ञानियों और विकास विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाकर उन्हें भारतीय समाज एवं विकास के नकारात्मक चित्रण के बजाय सकारात्मक पक्षों पर शोध, समझ और विमर्श के लिए प्रेरित किया जाएगा। इससे हमें अपने शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्टता को केंद्र में रखना होगा। साथ ही देश के दिग्गज समाज विज्ञानियों और विकास विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाकर उन्हें भारतीय समाज एवं विकास के नकारात्मक चित्रण के बजाय सकारात्मक पक्षों पर शोध, समझ और विमर्श के लिए प्रेरित किया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत विराट लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भारतीय शिक्षा और शोध जगत को सर्वोच्च राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। हमें शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में ऐसे उत्कृष्ट शोधार्थी और शिक्षक तैयार करने होंगे, जो वैश्विक छात्र समुदाय और विद्वानों को अपनी ओर आकर्षित कर सकें। ज्ञान की गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करना ही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला होगी।

■ बद्री नारायण

यह महामंदी का ...

डॉ. नीरज भारद्वाज

तीसरे विश्व युद्ध की आहट

इतिहास हमें बहुत कुछ बताता और समझाता है। इतिहास को सही से पढ़ा और समझा जाए तो किसी भी व्यक्ति और देश को उससे सीख लेकर गलती को दोहराना नहीं चाहिए। यदि कोई दोहराता है तो उसे सीधे शब्दों में अज्ञानी और मूर्ख कहा जा सकता है। दो विश्व युद्धों के इतिहास को पढ़ा जाए जिससे हमें वर्तमान में हो रहे इस भयानक विश्व युद्ध के सभी पक्ष वैसे ही दिखाई दे जाते हैं जो पहले दो विश्व युद्धों के हैं। 28 जून,1914 को साराजेवो में ऑस्ट्रिया-हंगरी सिंहासन के उत्तराधिकारी आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की हत्या हुई। यही हत्या प्रथम विश्व युद्ध का तात्कालिक सबसे बड़ा कारण बनी। इस हत्या को बोस्नियाई सर्ब राष्ट्रवादी गैवरिलो प्रिंसिप ने अंजाम दिया था। गैवरिलो प्रिंसिप 'यंग बोस्निया' नामक समूह से जुड़ा राष्ट्रवादी माना जाता है। आर्कड्यूक की हत्या के बाद ऑस्ट्रिया-हंगरी ने सर्बिया पर युद्ध की घोषणा कर दी और देखते ही देखते यह वैश्विक संघर्ष में बदल गया। 1914 से 1918 के बीच चले इस विनाशकारी युद्ध में विश्व के लगभग सभी देश प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ गए। वर्तमान युद्ध की स्थिति पर नजर दौड़ाकर देखें तो हमें पता चलता है कि 28 फरवरी, 2026 को ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उसके पूरे परिवार की हत्या तेहरान के नजदीक इजरायल-अमेरिका द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से कर दी गई। विचार करें तो यह हमले उच्च पदस्थ ईरानी अधिकारियों को निशाना बनाकर किए गए थे। ईरानी सरकार ने 1 मार्च, 2026 को खामेनेई की मृत्यु की पुष्टि कर दी. इससे पूरे ईरान में इजरायल-अमेरिका के प्रति बदले की भावना भड़क उठी। हालांकि युद्ध के बादल पहले से ही बने हुए थे लेकिन इस घटना से ईरान को गहरा आघात लगा। अब चलते हैं दूसरे विश्व युद्ध की ओर. सन 1929 में विश्व में महामंदी का दौर आया। यह महामंदी का दौर 1929 से 1939 अर्थात दस वर्षों तक चला। इस महामंदी के मुख्य कारणों में अक्टूबर 1929 का अमेरिकी शेयर बाजार (वॉल स्ट्रीट) का पतन, बैंकों की व्यापक विफलता, अत्यधिक उत्पादनऔर कम उपभोग (क्रय शक्ति में कमी) की कमी माने जाते हैं। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में गिरावट, गलत सरकारी नीतियां तथा कृषि क्षेत्र में संकट ने इस वैश्विक आर्थिक तबाही को बदतर बना दिया। इसी समय अमेरिका ने विदेशी सामानों पर भारी टैक्स लगा दिया (स्मूट-हॉली टैरिफ) जिसके जवाब में अन्य देशों ने भी ऐसा ही किया। इससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लगभग ठप हो गया। अब वर्तमान में चल रहे वैश्विक युद्ध की स्थिति को समझें तो हमें पता चलता है कि 2019 के अंत में कोविड विश्व में फैला। इसने पूरे विश्व को लॉकडाउन की ओर धकेल दिया। 2020 और 2021 दोनों ही वर्ष लगभग लॉकडाउन में ही चले गए। चारों ओर भय का वातावरण बना। इससे विश्व की आर्थिक स्थिति चरमरा गई। कोविड से बाहर निकले ही थे कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध हो गया। इस युद्ध में अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन का साथ देने के लिए अमेरिका और यूरोप के देश शामिल हो गए। देखते ही देखते अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हुआ और ट्रंप सरकार ने आते ही दुनिया को टैरिफ के उलटे-सीधे दबाव में धकेल दिया। अमेरिका ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दूसरे विश्वयुद्ध से पहले आर्थिक मंदी दस वर्ष चली जबकि कोविड के पाँच वर्ष बाद ही अमेरिका ने टैरिफ का दाव चला अर्थात अमेरिका महामंदी के दौर से गुजर रहा था। उसका परिणाम यह हुआ है कि आज विश्व के देश तीसरे विश्वयुद्ध की दहलीज पर खड़े हुए हैं। वर्तमान में इजरायल-अमेरिका मिलकर ईरान पर हमला कर रहे हैं। ईरान अपने पड़ोसी देशों में बने अमेरिका के एयरबेस और सैनिक ठिकानों को निशाना बना रहा है। सही मायने में ईरान ने अपने पड़ोसी देशों को भी इस युद्ध की चपेट में ले लिया है। इधर अफगानिस्तान पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा है। पाकिस्तान बलूचिस्तान के लड़ाकों के बीच में युद्ध लगातार जारी है। रूस और यूक्रेन के युद्ध को चलते हुए लगभग 4 वर्ष से अधिक का समय हो गया है। यूक्रेन की सहायता में पूरा यूरोप और अमेरिका खड़ा हुआ है। ठीक ऐसे ही ईरान पर हो रहे हमलों में इजरायल और अमेरिका के साथ भी यूरोप के देश खड़े हैं। विचारणीय बात यह है कि एक बार फिर पूरा विश्व युद्ध की विभीषिका में जल रहा है। अमेरिका और पूरे यूरोपीय देशों ने फिर मानवता का संहार करने की सोच ली है। इतिहास की बात शुरू में इसलिए हुई है क्योंकि दूसरे विश्व युद्ध को अभी 100 वर्ष भी नहीं हुए हैं। एक बार फिर तीसरे विश्व युद्ध में विश्व पूरी तरह जुट गया है।

साथ ही सुरक्षा...

सौरभ वार्ष्णेय

छह दिन की जंग में इजरायल -अमेरिका - ईरान लड़ाई में कौन मजबूत ?

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। बीते छह दिनों में हालात इतने तेजी से बदले हैं कि खाड़ी क्षेत्र के कई देश भी इसकी चपेट में आ गए हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस अल्प समय में इन देशों को कितना नुकसान हुआ और आगे इसका असर कितना व्यापक हो सकता है। सबसे पहले यदि इजरायल की बात करें तो उसे सुरक्षा और आर्थिक दोनों स्तरों पर भारी दबाव का सामना करना पड़ा है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण कई सैन्य ठिकानों और नागरिक इलाकों को नुकसान पहुंचा है। युद्ध के माहौल ने पर्यटन, व्यापार और निवेश को भी प्रभावित किया है। इजरायल को अपने रक्षा तंत्र को लगातार सक्रिय रखना पड़ रहा है, जिससे उसकी आर्थिक लागत तेजी से बढ़ रही है। दूसरी ओर ईरान भी इस संघर्ष में आर्थिक और सैन्य दबाव झेल रहा है। पहले से ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे ईरान के लिए युद्ध जैसी स्थिति उसकी अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। तेल निर्यात, व्यापारिक मार्ग और आंतरिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ा है। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो ईरान की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है। अमेरिका इस संघर्ष में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में शामिल है। पश्चिम एशिया में अपने सैन्य ठिकानों की सुरक्षा और सहयोगी देशों की रक्षा के लिए उसे भारी सैन्य संसाधन लगाने पड़ रहे हैं। इससे न केवल रक्षा खर्च बढ़ रहा है बल्कि वैश्विक कूटनीतिक दबाव भी अमेरिका पर बढ़ रहा है। अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इस संघर्ष को नियंत्रित रखे ताकि यह व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में न बदल जाए। खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर पर भी इस संकट का असर स्पष्ट दिख रहा है। इन देशों की अर्थव्यवस्था तेल और व्यापार पर निर्भर है, इसलिए क्षेत्र में अस्थिरता से निवेश और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने वैश्विक बाजारों को भी अस्थिर किया है। साथ ही सुरक्षा जोखिम बढने से इन देशों को अपने रक्षा इंतजाम मजबूत करने पड़ रहे हैं। दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा नुकसान केवल इन देशों तक सीमित नहीं है। वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर भी इसका असर पड़ रहा है। तेल और सोने जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी, शेयर बाजारों में अस्थिरता और वैश्विक कूटनीतिक तनाव इस बात का संकेत हैं कि यह संकट व्यापक रूप ले सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि छह दिनों का यह टकराव ही सभी पक्षों के लिए महंगा साबित हो रहा है। यदि समय रहते कूटनीतिक प्रयास नहीं किए गए तो यह संघर्ष लंबा खिंच सकता है और इसका नुकसान केवल पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को उठाना पड़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष संयम बरतें और संवाद के रास्ते समाधान खोजने की कोशिश करें, क्योंकि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

रामस्वरूप रावतसरे

कभी पर्शिया कहलाने वाला देश ईरान कैसे बना !

ईरान एक बार फिर से दुनियाभर में चर्चा में है, जिसके पीछे की वजह से इजरायल-अमेरिका के साथ चल रही इसकी जंग है। राजधानी तेहरान समेत देश के कई प्रमुख शहरों में बमबारी हुई है, जिसमें सुप्रीम लीडर आयातुल्लाह अली खामेनेई की भी मौत हो गई है। इस युद्ध में अभी तक सैकड़ों लोगों के मारे जाने का समाचार है। यह युद्ध कितना लम्बा चलेगा और इसमें कितने जानमाल का नुकसान होगा कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन जो हालात बने है, उसे लेकर पूरा विश्व सहम सा गया है। जानकारों के अनुसार ईरान का इतिहास काफी दिलचस्प है। यहां कई हजार सालों से अलग-अलग राजवंशों का राज रहा है, जिन्होंने यहां वर्चस्व के लिए खूब सारी जंगें लड़ी हैं। सबसे ज्यादा दिलचस्प इतिहास तो इस देश के नाम से जुड़ा हुआ है। कभी ईरान को पर्शिया के तौर पर जाना जाता था, फिर 20वीं सदी में इसका नाम बदल दिया गया। ईरान के इतिहास की शुरुआत इसके दक्षिणी-पश्चिमी हिस्से से होती है, जहां आज से करीब 5000 साल पहले 3000 ईसा पूर्व में एलामाइट्स ने एक राज्य की स्थापना की। इसके बाद 2000 ईसा पूर्व के अंत तक ''मीड्स'' और ''पर्शियन'' नामक इंडो-यूरोपीय जनजातियों ने मॉडर्न ईरान की असली नींव रखी। सैकड़ों सालों तक ईरान के बड़े हिस्से पर अलग-अलग जनजातियों का राज रहा। इतिहास के अनुसार फिर 550-330 ई.पू. के बीच हखामनी साम्राज्य का आगमन हुआ है, जिसने पहले फारसी साम्राज्य की नींव रखी। इसे अचमेनिद साम्राज्य के तौर पर जाना जाता है। हखामनी साम्राज्य के ''साइरस द ग्रेट'' (कुरुश महान) ने अपने साम्राज्य को उस वक्त में दुनिया का सबसे बड़ा साम्राज्य का रूप दे दिया था। इसका अंदाजा कुछ यूं लगाया जा सकता है कि हखामनी साम्राज्य की सीमाएं भारत से लेकर ग्रीस तक फैली हुई थीं। इसकी सरहदें मिस्र से जाकर भी लगती थीं। बताया जाता है कि इसी दौर में यहां पर ग्रीक लेखकों का आना शुरू हुआ, जो यहां की संस्कृति को समझना चाहते थे। उन्होंने ही पहली बार अपनी किताबों में इस इलाके को पर्शिया कहना शुरू किया। इस तरह इन लेखकों के लौटने के साथ ही पश्चिमी मुल्कों में ये इलाका पर्शिया के तौर पर प्रसिद्ध हो गया। इतिहास के अनुसार सिकंदर महान की जीत के बाद इस इलाके में सेल्युकॉड साम्राज्य का भी राज रहा। फिर सासानियन साम्राज्य आया है, जिसने ईरानी संस्कृति और पहचान को जिंदा किया। ये वही दौर था, जब ''जरथुस्त्रवाद'' को राजधर्म बनाया गया। इसके बाद अरबों को 7वीं शताब्दी में इस इलाके में जीत मिली और इस्लाम यहां आया। उसने ''जरथुस्त्रवाद'' की जगह ले ली। अरबी का इस्तेमाल बढ़ गया। फिर भी लोग फारसी भाषा और संस्कृति से जुड़े हुए थे। फिर यहां सफवी राजवंश का दौर आया, जिसने शिया इस्लाम को राजधर्म बना दिया। इसके बाद काजर राजवंश और अंत में 20वीं सदी में पहलवी राजवंश सत्ता में आया। ईरान के बड़े भू-भाग पर राज करने वाले राजाओं के दौर में ये इलाका पर्शिया ही कहलाता रहा, इसकी वजह ग्रीक लेखकों की किताबें थीं। यहां रहने वाले लोग पर्शियन कहलाते थे। ग्रीक लेखकों ने ये नाम इसलिए दिया था, क्योंकि यहां पार्स नाम का एक इलाका था, जो हखामनी साम्राज्य का केंद्र था। ग्रीक लोगों ने इसी आधार पर अपनी किताब में इस पूरे इलाके को पर्शिया कहा था। हालांकि, फिर 91 साल पहले 1935 में इस देश का इतिहास ही बदल गया, जब इसका नाम पर्शिया से ईरान कर दिया गया। जानकारों के अनुसार यहां की बड़ी आबादी अपने देश को ईरान ही कहते आई थी। ईरान शब्द प्राचीन फारसी शब्द ''आर्यानाम'' से आया है, जिसका मतलब होता है, ''आर्यों की भूमि''। ''आर्य'' शब्द का इस्तेमाल इंडो-ईरानी लोग अपनी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के लिए करते थे। 1935 में पहलवी वंश के संस्थापक रजा शाह पहलवी ने तुर्की के कमाल अतातुर्क के पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण से प्रभावित होकर अपने देश का नाम बदलकर पर्शिया से ईरान कर दिया। रजा शाह का मानना था कि नाम बदलने से उनके देश में रहने वाले अलग-अलग जनजातियों के लोग एक झंडे के नीचे आ जाएंगे। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि वह औपनिवेशिक प्रभाव से आजादी चाहते थे, क्योंकि उनका मानना था कि ये नाम तो पश्चिमी मुल्कों से मिला है। साथ ही रजा शाह का मकसद दुनिया को एक नया, आधुनिक और प्रगतिशील ईरान से परिचय करवाना था। यहां गौर करने वाली बात ये है कि पर्शिया तो सिर्फ यहां के एक प्रांत का नाम था, जबकि ईरान पूरे देश का नाम था। रजा शाह ने ईरान को देश का आधिकारिक नाम बनाने के लिए 1935 में सभी विदेशी दूतावासों को चिट्ठी लिखी। इसमें उनसे कहा गया कि वे अब पर्शिया की जगह ईरान शब्द का इस्तेमाल करें। ईरान आज बारूद के आगोश में खड़ा है और वहां की आवाम सुकून के लिए कल का इंतजार कर रही है।(अदिति फीचर्स)

अक्षर तुमने दिल जीत लिया : नवजोत सिद्धू

24 कैरेट सोना बताया, बाउंड्री पर लिए कैच को कहा चमत्कार, कपिल देव-सूर्या के कैच याद किए

जालंधर, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर एवं राजनेता नवजोत सिंह सिद्धू ने भारत-इंग्लैंड के बीच हुए क्रिकेट मैच को लेकर कैचेस विन मैचेस टैग से वीडियो शेयर किया है। सिद्धू ने वीडियो के जरिए इंग्लैंड पर मिली भारत की जीत ने अक्षर पटेल के 2 कैच को टर्निंग पॉइंट बताया। सिद्धू ने वीडियो के जरिए किक्रेट की अपनी यादों को भी ताजा किया। सिद्धू ने कपिल देव की क्लिप जारी करते हुए कहा कि जिस तरह अक्षर ने पीछे मुड़कर दौड़ते हुए कैच पकड़ा, ठीक ऐसा ही कैच कपिल देव ने पकड़ा था। तब भी भारत ने मैच जीता था। अगर अक्षर पटेल बाउंड्री वाला कैच न पकड़ता तो गेम शायद इंग्लैंड के पाले में चली जाती। सिद्धू ने कहा कि इस मैच की जीत में वह अक्षर पटेल के 2 कैच को महत्वपूर्ण मानते हैं। इन्हीं कैच की बदौलत मैच का रूख बदला और जीत मिल पाई। अक्षर पटेल की बॉलिंग और फील्डिंग की भूमिका इस मैच में वर्थ इट्स वेट इन गोल्ड रही। यही अक्षर पटेल ने मार्श का कैच पकड़ा था। पिछले वर्ल्ड कप में वन हैंडेड कोई नहीं भूला।

नवजोत सिंह सिद्धू ने वीडियो जारी कर अक्षर पलेट को गोल्ड बताया।

एक कैच से कपिल ने बदला था मैच का रुख

सिद्धू ने कहा कि, वर्ल्ड कप में सबसे पहला वर्ल्ड कप कपिल देव साहब ने विविन रिचर्ड को आउट करके वैसे ही भागते हुए उल्टा भाग के आउट करके वो मैच पलट दिया था। सूर्य कुमार यादव ने भी वही किया था मिलर का कैच पकड़ते हुए और आज ये जो 2 कैच पकड़े पहला ब्रुक का वो बैट्समैन जो अगर 5 ओवर खेल जाता तो मैच पूरी तरह से रुख बदल देता।

भारत-इंग्लैंड टी-20 को लेकर सिद्धू ने कही अहम बातें

- **कपिल देव और सूर्या की विरासत को किया ताजा:** अक्षर पटेल ने ब्रुक का जो कैच पकड़ा, उसने 1983 वर्ल्ड कप फाइनल में कपिल देव द्वारा विवियन रिचर्ड्स के उस मैच-पलटू कैच की यादें ताजा कर दीं, जिसमें कपिल देव ने पीछे भागते हुए इतिहास रचा था और सूर्या ने मिलर का कैच पकड़कर भारत को विश्व विजेता बनाया था, ठीक वैसे ही अक्षर ने पिछले मैच के शतकवीर ब्रुक को पवेलियन भेजकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।
- **प्रेजेंस ऑफ माइंड का बाकमाल चमत्कार:** मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट वह 'ऑफ बैलेंस' कैच रहा, जहां हवा में होते हुए भी अक्षर का दिमाग पूरी तरह सक्रिय था। अपना संतुलन बिगड़ते देख उन्होंने जिस चतुराई और प्रेजेंस ऑफ माइंड के साथ गेंद दूसरे फील्डर की ओर फेंकी, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। इस निःस्वार्थ और सटीक तालमेल ने साबित कर दिया कि वह मैदान पर 24 कैरेट सोना है।
- **जितनी आग, उतनी चमक, किरदार वर्थ इट्स वेट इन गोल्ड:** कहते हैं सोना जितना आग में तपता है, उतना ही चमकता है। अक्षर पटेल ने अपनी गेंदबाजी और अविश्वसनीय फील्डिंग से यह साबित कर दिया कि जब टीम आपत्ति (संकट) में होती है, तब उनका असली किरदार बाहर आता है। पिछले वर्ल्ड कप का वह 'वन हैंडेड' कैच हो या आज का यह प्रदर्शन, बापू ने अपनी उपयोगिता से करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया है।

> सिद्धू ने कहा कि ये जरूरी नहीं है कि क्रिकेट में बल्लेवाज या बॉलर ही मैच जिताते हैं। कि बहुत बार फील्डिंग के कारण टीमों को जीत मिली है। भारत-इंग्लैंड के बीच हुए टी-20 सेमीफाइनल में भी ऐसा ही देखने को मिला।

सविता पूनिया नहीं खेलेगी हॉकी वर्ल्ड कप क्वालीफाई

सिरसा में पिता ने परिवारिक कारण बताया, बोले-एशियन गेम्स 2026 टारगेट

सिरसा, एजेंसी

सिरसा जिले की रहने वाली अर्जुन अवार्ड से सम्मानित सविता पूनिया इस बार हॉकी वर्ल्ड कप क्वालीफाई नहीं खेलेगी। वह इस वक्त कैंप में भी हिस्सा नहीं ले रही। इस वर्ल्ड कप क्वालीफाई के लिए टीम खिलाड़ियों का चयन हो चुका है और खिलाड़ी अपनी तैयारी में जुटी हैं। यह वर्ल्ड कप क्वालीफाई भारत में ही होगा। 8 मार्च से हैदराबाद में शुरू प्रतियोगिताएं शुरू होगी, जो 14 मार्च तक चलेगी। इसमें चार देशों की टीमें भाग लेगी। जानकारी के अनुसार, हॉकी वर्ल्ड कप लेकर बैंग्लोर में कैंप चल रहा है, जहां पर खिलाड़ियों को तैयारी करवाई जा रही है। पूरी टीम पिछले लंबे समय से तैयारी कर रही है। सविता ने भी पहले यहां पर ट्रेनिंग ली, पर अब इसमें हिस्सा नहीं ले रही। सविता पूनिया के पिता महेंद्र सिंह ने इसकी वजह परिवारिक कारण बताया है। अब सविता पूनिया इस माह के अंत तक कैंप में वापसी करेगी और एशियन गेम्स ही उनका लक्ष्य है। हालांकि, सविता पूनिया का नाम पदमश्री अवार्ड की सूची में भी आ गया है। इसकी परिवार सहित गांव व पूरे जिले में खुशी मनाई गई। उनको राष्ट्रपति की ओर से सम्मानित किया जाएगा। हाल ही में सविता सिरसा के जोधकां गांव स्थित अपने घर आई थी और परिवार के साथ पदमश्री अवार्ड का जश्न मनाया। गांव वालों ने भी सविता व उनके माता-पिता को बधाई दी। अब वापस दिल्ली चली गई। इस बारे में सविता पूनिया के पिता महेंद्र सिंह ने एप की टीम से बातचीत में बताया, सविता पूनिया वर्ल्ड कप क्वालीफाई नहीं खेल रही। परिवारिक कारणों के चलते वह नहीं खेल रही और कुछ दिन के लिए आराम पर है।

फास्ट न्यूज

गोविंदा का दावा- सलमान ने करवाई सर्जरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने सलमान खान को लेकर एक बड़ा दावा किया है। गोविंदा ने कहा कि उन्होंने ही सलमान खान को अपना लुक और फिजिकल अपीयरेंस बदलने का सुझाव दिया था। गोविंदा ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि पार्टनर फिल्म की शुरुआत से पहले उन्होंने सलमान को बॉडी और बालों पर काम करने की सलाह दी थी, जिसके बाद सलमान ने सर्जरी कराई और खुद को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म किया।

मंदाना करीमी भारत छोड़ेंगी

नई दिल्ली। ईरानी एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने भारत छोड़ने का फैसला कर लिया है। 25 सालों से बॉलीवुड में काम कर रहीं मंदाना का कहना है कि भारत ने उन्हें धोखा दिया है और अब यहां उनकी कोई आवाज नहीं बची है। उन्होंने अपना सारा सामान पैक कर लिया है और जैसे ही ईरान में मौजूदा शासन खत्म होगा, वह वापस अपने देश लौट जाएंगी। दरअसल ईरान-इजराइल युद्ध में 28 फरवरी को हुए मिसाइल हमलों के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत हो गई थी। मंदाना ने सोशल मीडिया पर इस मौत पर खुशी जाहिर की थी और ईरानी शासन की कड़ी आलोचना की थी। इसी विरोध के बाद से मंदाना को भारत में विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल में वोटिंग खत्म, 60% वोटिंग हुई

काठमांडू। नेपाल में आम चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई। रात 12 बजे से काउंटिंग शुरू होगी। चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 60% वोटिंग हुई। दूरदराज इलाकों में अभी भी वोटिंग हो रही है। अंतिम आंकड़ा जल्द जारी किया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने काठमांडू के धापासी स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला था। उन्होंने कहा कि अब उनका रोल पूरा हो चुका है।

रैपर बादशाह को महिला आयोग ने किया तलब

टटीरी सॉन्ग में लड़कियों को स्कूल बैग फेंकते दिखाया

पंचकूला, एजेंसी

बॉलीवुड रैपर-सिंगर बादशाह हरियाणवी फोक सॉन्ग 'टटीरी' को लेकर विवाद में फंस गए हैं। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सिंगर को समन जारी किया है। जिसमें पक्ष रखने के लिए 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है।

पानीपत की नारी तू नारायणी संस्था की अध्यक्ष सविता आर्य और शिव आरती फाउंडेशन के प्रमुख शिव कुमार की शिकायत पर महिला आयोग ने यह नोटिस जारी किया है। इसके अलावा रोहतक के एडवोकेट राजनारायण पंघाल ने भी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायत भेजी है। शिकायत में बादशाह के रैप की लाइन 'आया बादशाह डोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने' पर आपत्ति उठाई है। उन्होंने कहा कि इस गाने में गंदी शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है।

साथ ही स्कूल ड्रेस में नाबालिग बच्चियों को स्कूल बैग फेंकते हुए दिखाया गया। यह सॉन्ग 1 मार्च को रिलीज हुआ था। इस गाने में कैथल की रहने वाली बॉक्सर सिमरन जागलान की भी आवाज है। वह हरियाणवी सिंगर कर्मबीर फौजी की बेटी हैं। टटीरी गाने को अभी तक यूट्यूब पर 2 मिलियन से ज्यादा लोग सुन चुके हैं।

कुर्सी पर बैठते ही बैलेंस बिगड़ा, एक्टर बिना किसी मदद के तुरंत खड़े हो गए

फिल्म वृषकर्मा के इवेंट में कुर्सी से गिरे नागा चैतन्य

मुंबई, एजेंसी

एक्टर नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान एक दुर्घटना से बाल-बाल बच गए। नागा चैतन्य जब स्टेज पर रखी कुर्सी पर बैठने की कोशिश कर रहे थे, तभी कुर्सी का एक पैर अचानक झुक गया, जिससे वह असंतुलित होकर स्टेज से नीचे गिर गए। यह घटना प्रेस मीट शुरू होने से ठीक पहले हुई। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद लोग उनकी मदद के लिए आगे आए। हालांकि, नागा चैतन्य बिना किसी सहायता के तुरंत उठ खड़े हुए। उन्हें मुस्कुराते हुए इस घटना पर हंसते हुए भी देखा गया। आयोजकों के अनुसार, घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई और कुछ देर बाद कार्यक्रम दोबारा शुरू कर दिया गया।

वृषकर्मा का टीजर रिलीज हुआ

टीजर की शुरुआत एक ऐसे व्यक्ति से होती है, जिस पर किसी बुरी शक्ति का कब्जा दिखाया गया है। वह एक ऐसे व्यक्ति का चित्र बनाता है, जिसकी आंख निकली हुई है। चित्र पूरा होने के बाद उसके मुंह से चमगादड़ जैसा जीव निकलता है, जो आगे उसी तरह एक व्यक्ति की हत्या करता दिखाया गया है।

> बता दें कि फिल्म वृषकर्मा का टीजर (जिसे मेकर्स ने 'फर्स्ट ग्लिम्स' कहा है) 5 मार्च को रिलीज किया गया है। यह एक माइथोलॉजिकल एडवेंचर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें नागा चैतन्य मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म में मीनाक्षी चौधरी और जयराम भी

मेकर्स के अनुसार, मीनाक्षी चौधरी फिल्म में 'दक्षा' का किरदार निभा रही हैं, जबकि जयराम 'प्रोफेसर रंगनाथ' की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन कार्तिक दांडू कर रहे हैं। इसे BVSN प्रसाद और सुकुमार क्रमशः श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा और सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की कहानी सुकुमार ने लिखी है। सिनेमैटोग्राफी नील डी कुन्हा ने की है, संगीत अजनीश लोकनाथ ने दिया है। एडिटिंग नेशनल अवॉर्ड विनर एडिटर नवीन नूली कर रहे हैं, जबकि आर्ट डायरेक्शन श्री नागेंद्र तंगाला ने किया है। तो किस्मत अपना रास्ता खुद चुन लेती है।" इसमें जयराम, मीनाक्षी चौधरी और नागा चैतन्य के किरदारों की झलक भी दिखाई गई है।

तेल कंपनियों को छढँ प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश, सरकार ने इमरजेंसी पावर इस्तेमाल किया

ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत हो सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग अगर बढ़ी तो भारत में रसोई गैस की किल्लत बढ़ सकती है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने ये आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब रिफाइनयां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों को करनी होगी। सरकारी तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल (IOC), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) और भारत पेट्रोलियम (BPCL) शामिल है। इसका मकसद कंज्यूमर्स को बिना रुकावट गैस सिलेंडर की सप्लाई है। सरकार के इस फैसले का सीधा असर प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) पर पड़ सकता है। प्रोपेन और ब्यूटेन का डायवर्जन होने से अल्काइलेट्स के प्रोडक्शन में कमी आएगी, जिसका इस्तेमाल पेट्रोल की ग्रेडिंग सुधारने में किया जाता है। एक्सपर्ट्स और ट्रेड सोर्सेज का कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल के बजाय LPG बनाने में इस्तेमाल करने से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा। पॉलीप्रोपाइलीन और अल्काइलेट्स जैसे पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स LPG के मुकाबले बेहतर कीमत पर बिकते हैं।

सप्लाई संकट की 2 वजह

1. 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का लगभग बंद होना

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा।

दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।

2. प्लांट पर ड्रोन हमले से LNG का प्रोडक्शन रुका

पिछले हफ्ते अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसके जवाब में ईरान ने UAE, कतर, कुवैत और सऊदी जैसे देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और पोर्ट्स को निशाना बनाया है।

ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश कतर ने अपने LNG प्लांट का प्रोडक्शन रोक दिया है। इससे भारत में गैस की सप्लाई घट गई है। भारत अपनी जरूरत की 40% LNG (करीब 2.7 करोड़ टन सालाना) कतर से ही आयात करता है।

आखिरी गोली तक लड़ेंगे: सईद खतीबजादेह

ट्रम्प न्यूयॉर्क का मेयर नियुक्त नहीं कर सकते, हमारा लीडर क्या खाक तय करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शुक्रवार को ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- तेहरान के पास अमेरिकी-इजराइली हमले के खिलाफ देश की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हमने कसम खाई है कि देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा।

उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व बदलने की बात करते हैं, जबकि वे अपने ही देश में न्यूयॉर्क के मेयर तक नियुक्त नहीं कर सकते। यह एक तरह का औपनिवेशिक नजरिया है। वे अपने देश में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन ईरान की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं। चर्चा के दौरान खतीबजादेह ने कहा- ईरान इस समय पूरी तरह से युद्ध की स्थिति से गुजर रहा है। जब हम बात कर रहे हैं, मेरे साथी नागरिकों पर अमेरिका-इजराइल का लगातार हमला हो रहा है। मुझे लगता है कि अभी ईरान के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह हमलावर के खिलाफ पूरी तरह से विरोध करे।

अमेरिका के संभावित जमीनी हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी औपनिवेशिक मिशन को रोकने के लिए तैयार है। अपने देश की राजनीतिक व्यवस्था बदलने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान के कुर्द समुदाय को अलगाववाद से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। ईरान के कुर्द देश की पहचान का अहम हिस्सा हैं, जबकि कुछ अलगाववादी समूहों को बाहरी एजेंसियों का समर्थन मिला है।

चयन : सिलेक्शन में अमेरिका का रोल जरूरी, खामेनेई का बेटा मंजूर नहीं

ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुने : ट्रम्प

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके। भारत ने पहली बार ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया है। भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास जाकर खामेनेई के निधन पर संवेदना जताई।उन्होंने कंडोलेंस बुक (शोक पुस्तिका) पर हस्ताक्षर कर श्रद्धांजलि दी। एतिहाद एयरवेज ने घोषणा की है कि वह 6 मार्च से 19 मार्च के बीच सीमित व्यावसायिक उड़ानें फिर से शुरू करेगा। कंपनी के बयान के अनुसार, ये उड़ानें अबू धाबी से और वहां तक प्रमुख शहरों के लिए संचालित की जाएंगी।

कुवैत में अमेरिकी दूतावास खाली कराया जा रहा

अमेरिकी प्रसारक CBS ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि अमेरिका कुवैत में स्थित अपने दूतावास को खाली करा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले ईरानी हमले में निशाना बनाए जाने के बाद दूतावास को बंद कर दिया गया था। बताया गया है कि रियाद में अमेरिकी दूतावास और दुबई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को भी हमलों का निशाना बनाया गया है। हालांकि इन घटनाओं में किसी नुकसान या हताहतों के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

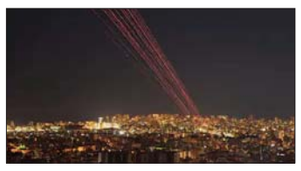

ईरान पर हमले के लिए उड़ान भरता अमेरिकी फाइटर जेट।

> एयरलाइन ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उड़ानों को सीमित रूप से संचालित किया जाएगा और यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले नवीनतम अपडेट की जांच करने की सलाह दी गई है।

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 79,500 पर आया

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में आज यानी 6 मार्च को कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में BSE Sensex करीब 500 अंक यानी 0.65% टूटकर 79,500 के आसपास कारोबार करता दिखा। वहीं Nifty 50 भी लगभग 150 अंक यानी 0.60% फिसलकर 24,600 के स्तर पर पहुंच गया। आज के ट्रेडिंग सेशन में खासतौर पर बैंकिंग, रियल्टी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिल रही है, जिससे बाजार पर दबाव बना हुआ है। हालांकि इससे पहले गुरुवार यानी 5 मार्च को बाजार में मजबूत तेजी देखने को मिली थी। उस दिन BSE Sensex 900 अंक यानी 1.14% की बढ़त के साथ 80,016 पर बंद हुआ था। वहीं Nifty 50 भी 285 अंक यानी 1.17% चढ़कर 24,766 के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले कारोबारी सत्र में ऑटो, मेटल, फार्मा और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली थी, जिससे बाजार में तेजी का माहौल बना रहा। वहीं Nifty 50 भी 285 अंक यानी 1.17% चढ़कर 24,766 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोना 3 दिन में 8,000 सस्ता, ₹1.59 लाख पर आया

चांदी ₹26,000 गिरकर ₹2.63 लाख पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने और चांदी के दामों में आज यानी 6 मार्च (शुक्रवार) को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,177 रुपए घटकर 1,59,409 पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,60,586 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना 3 दिन में 8,000 सस्ता हुआ है। वहीं एक किलो चांदी 902 रुपए गिरकर 2,63,210 पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,212 लाख रुपए प्रति किलो थी। ये 3 दिन में 26,000 रुपए सस्ती हुई है। सोना-चांदी के दाम में ये गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की वजह से आई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 17,000 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2026 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 36 दिन में चांदी 1.23 लाख रुपए सस्ती हो गई है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

एनएसजी कमांडो की मौत, 3 दोस्तों की हालत गंभीर

हाथरस में तेज रफ्तार थार पेड़ से टकराई, गेट-पहिए टूटकर अलग

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में शुक्रवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में National Security Guard (NSG) के एक कमांडो की मौत हो गई, जबकि उनके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सादाबाद थाना क्षेत्र में उस समय हुआ जब चारों दोस्त होली खेलने के बाद मथुरा लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर बेहद जोरदार थी। हादसे में थार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और गाड़ी के गेट व पहिए तक अलग हो गए। एयरबैग खुलने के बावजूद कमांडो की जान नहीं बच सकी। बताया जा रहा है कि 31 मार्च 2026 को उनकी नौकरी के 15 साल पूरे होने वाले थे और इसके बाद वे स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) लेने की योजना बना रहे थे, लेकिन इससे पहले ही यह हादसा हो गया। योगेंद्र सेना में साल 2010 में भर्ती हुए थे। इस समय राजस्थान के अलवर में

उनकी पोस्टिंग थी। परिवार में माता-पिता, पत्नी एकता सिंह, तीन साल की बेटी और एक साल का बेटा है। योगेंद्र 25 दिन पहले छुट्टी लेकर घर आए थे। घरवालों ने बताया कि 31 मार्च 2026 को योगेंद्र की नौकरी के 15 साल पूरे होने थे। इसके बाद वह VRS लेने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। कोतवाली में अभी तक

राजस्थान में थी पोस्टिंग, 25 दिन पहले आए थे छुट्टी पर

परिजनों के अनुसार योगेंद्र सिंह वर्ष 2010 में सेना में भर्ती हुए थे और वर्तमान में राजस्थान के अलवर में उनकी पोस्टिंग थी। वे करीब 25 दिन पहले छुट्टी लेकर घर आए थे। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी एकता सिंह, तीन साल की बेटी और एक साल का बेटा है।

तेज रफ्तार को माना जा रहा हादसे का कारण

पुलिस के अनुसार हादसे के समय गाड़ी की रफ्तार करीब 100 से 120 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच होने की आशंका है। सीओ सादाबाद ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

होली खेलकर लौटते समय हुआ हादसा

मथुरा के राया क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय योगेंद्र सिंह उर्फ भूरा अपने दोस्तों के साथ गुरुवार को हाथरस में एक परिचित के घर होली खेलने आए थे। शुक्रवार सुबह करीब तीन बजे वे थार गाड़ी से मथुरा लौट रहे थे। रास्ते में सादाबाद थाना क्षेत्र के पल्हावत गांव के पास उनकी गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।

किसी ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। घायलों को उनके परिजन आगरा ले गए थे, जहां से NSG कमांडो के परिजन उन्हें मथुरा ले गए। वहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गेट और पहिए तक टूटकर अलग हो गए।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। सादाबाद सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद सभी को आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा पहुंचने पर परिजन योगेंद्र सिंह को मथुरा के मिलिट्री अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे में विष्णु कुमार (28), सत्यवीर सिंह (32) और जीतू घायल हो गए। विष्णु कुमार भारतीय नौसेना में कार्यरत हैं और उनकी तैनाती विशाखापत्तनम में बताई जा रही है, जबकि अन्य दोनों मथुरा के ही निवासी हैं। तीनों का इलाज आगरा में चल रहा है।

9 मार्च को लॉन्च होगी आईटी सिटी योजना

लैंड पूलिंग वालों की निकाली जाएगी लॉटरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बहुप्रतीक्षित आईटी सिटी योजना का औपचारिक शुभारंभ 9 मार्च को किया जाएगा। इस मौके पर सबसे पहले उन लोगों को लॉटरी के जरिए प्लॉट आवंटित किए जाएंगे, जिन्होंने लैंड पूलिंग योजना के तहत अपनी जमीन दी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि पहले चरण की लॉटरी में वही लोग शामिल होंगे, जिन्होंने 31 जनवरी तक लैंड पूलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली है। प्लॉट आवंटन की लॉटरी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 9 मार्च को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। लॉटरी के माध्यम से ही तय होगा कि किस व्यक्ति को किस स्थान और किस आकार का प्लॉट मिलेगा। लॉटरी के जरिए कुल छह अलग-अलग आकार के प्लॉट आवंटित किए जाएंगे।

इनमें 288 वर्ग मीटर, 200 वर्ग मीटर, 128 वर्ग मीटर, 72 वर्ग मीटर, 45 वर्ग मीटर और 35 वर्ग मीटर के प्लॉट शामिल हैं। एलडीए के मुताबिक, जिस व्यक्ति ने जितनी जमीन लैंड पूलिंग योजना में दी है, उसी अनुपात में उसे 25 प्रतिशत विकसित जमीन दी जाएगी। अगर किसी को 25 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल का प्लॉट मिलता है, तो अतिरिक्त हिस्से के लिए एलडीए द्वारा तय दरों के अनुसार भुगतान करना होगा।

फास्ट न्यूज

ऑटो चालक का पार्क के पास मिला शव

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा नगर के सेक्टर-14 स्थित पार्क में ऑटो चालक का शव संदिग्ध हालात में मिला। शरीर पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। उनकी पत्नी सुषमा ने बताया कि राजेश गुरुवार सुबह घर से किसी काम की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे।

ऑटो सवार बदमाशों ने युवक से 2.70 लाख रुपए लूटे

कानपुर। कानपुर में ऑटो सवार बदमाशों ने बुलेट खरीदने निकले युवक को शहरभर घुमाने के बाद बहाने से गंगा बैराज एनआरआई सिटी सूनसान जगह ले गए, जहां बदमाशों ने मारपीट कर युवक से 2.70 लाख रुपये, दो मोबाइल और कपड़े लूट लिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही है। नवाबगंज थाना क्षेत्र की है। फतेहपुर के जहानाबाद खजुरिहा निवासी उमाकांत तिवारी साकेत नगर में रह रहे है। उमाकांत तिवारी के मुताबिक दो मार्च को वह 2.70 लाख रुपए नकद लेकर बुलेट खरीदने निकले थे। इस दौरान सबसे पहले सागर मार्केट में मोबाइल की मरम्मत कराई, फिर नवीन मार्केट से कपड़े खरीदे। खरीदारी के बाद शाम को परेड चौराहे से एक ऑटो में बैठ गए, जिसमें पहले से दो युवक मौजूद थे। ऑटो में बैठा एक युवक बार-बार थूकने का बहाना कुछ हरकतें कर रहा था।

दवा लेने जा रही प्रिंसिपल की सड़क हादसे में मौत

लखनऊ। लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में मदरसे की प्रिंसिपल की मौत हो गई। वह अपनी शुगर-बीपी की दवाई लेने के लिए घर से पैदल ही निकली थीं। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अंधे की चौकी सिकरौल निवासी फातिमा खान (39) मदरसे की प्रिंसिपल थीं।

बच्चे ने जूस मशीन पर रखी बर्फ जीभ से चाटी

लखनऊ में गन्ने के रस को ठंडा करने के लिए रखी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गन्ने के रस की दुकान पर एक बच्चा बर्फ को जीभ से चाटते दिखा। आज, शुक्रवार को इसका वीडियो सामने आया। वीडियो में बच्चा मशीन पर रखी बर्फ को जीभ से चाटता नजर आ रहा है। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वीडियो जानकीपुरम स्थित गन्ने के रस की दुकान का है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बच्चा दुकानदार का है, दुकान पर काम करता है या बाहर का है। शुक्रवार को 14 सेकेंड का वीडियो वाट्सऐप ग्रुपों और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उसमें दिख रहा है कि सड़क किनारे गन्ने के रस की दुकान है। जमीन पर मशीन लगी है। उसके आगे तख्त रखा है। आगे सोलर पैनल लगा है। मशीन

के गन्ने की खोई का ढेर लगा है। शाम का समय है। आसमानी शर्ट, खाकी पैंट और ग्रे टोपी पहने एक बच्चा गन्ने की मशीन पर रखी बर्फ जीभ से चाट रहा है। बर्फ चाटने के बाद वह आसपास देखता है। 2 मार्च को पारा में मुरादाबादी बिरयानी की दुकान पर कारीगर अनस का रोटियों पर थूकने का वीडियो सामने आया था। वह रोटियों पर थूककर उन्हें तंदूर में सेंक रहा था। पुलिस ने उसे 4 मार्च को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। वह बाराबंकी का रहने वाला है।

लिफ्ट खराब होने से सीढ़ियां चढ़ने पर फूली सांस, लखनऊ मेयर ने अफसरों को फटकारा

नगर निगम के समाधान दिवस में महिला की तबीयत बिगड़ी

मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस में महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण वह सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंची थीं। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। उसे कुर्सी पर बैठाकर नीचे उतारा गया। 90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंची। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या?

90 साल की बुजुर्ग सीढ़ियों से सेकंड फ्लोर पर पहुंची

दरियापुर, तालकटोरा निवासी विशुना (90) सीढ़ियों से सेकंड फ्लोर पर पहुंचीं। मेयर ने अफसरों को उनकी समस्या दूर करने का निर्देश दिया। दरअसल, उनका एक कमरे का मकान है, जिसका तीन साल से हाउस टैक्स नहीं जमा हुआ है। उनका बिल कुल 972 रुपए

इतना दौड़े कि फाइलें अब गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होगी

स्टेशन रोड निवासी 60 वर्षीय अशोक कुमार भार्गव ने अपनी समस्या सुनाई। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर उनकी दुकान 2021 से 2025 तक बंद थी। 2003 से 2013 तक भी दुकान बंद थी। इस दौरान हाउस टैक्स माफ किया गया था, लेकिन अब नहीं हो रहा है। हम ऐसे ही परेशान हैं। अब दुकान खुली तो टैक्स लगा दिया है। डेढ़ लाख रुपए टैक्स लगा दिया गया है। अब आख्या तैयार हो गई है, तो अधिकारी दस्तखत नहीं कर रहे हैं। हार्ट का मरीज हूं। बायपास सर्जरी हो चुकी है। 12 फाइल हमारे मामले की बन चुकी है। इसका गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होना चाहिए। एक फाइल खो भी गई है। नगर निगम से इसका मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

"अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया- लिफ्ट को शाम तक सही कराया जाएगा। इसके लिए संबंधित कंपनी से पूरी जानकारी ली जाएगी। पिछले 15 दिनों में लिफ्ट नहीं बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लिफ्ट मेंटिनेंस के जो रेट पहले आए थे, उसको लेकर दिक्कत हुई थी। नगर आयुक्त का निर्देश आया है। इसे तुरंत सही किया जाएगा।

सीढ़ियां चढ़ने की वजह से राम दुलारी की तबीयत खराब हो गई। उन्हें कुर्सी पर बैठाकर नीचे लाया गया।

जलकल विभाग के बाबू ने अतिक्रमण किया है

तकरोही से बब्बन राजभर नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। उनका कहना है कि उनके क्षेत्र में जलकल विभाग में तैनात एक कर्मचारी (बाबू) ने नाली की जमीन पर अतिक्रमण कर उसके ऊपर छत डाल दी है। पिछले 1 साल से दौड़ रहा हूं।

फॉर्च्यूनर से 2 लोगों को रौंदने वाले की रंगबाजी

कस्टडी में जेब में हाथ डालकर चला, मंत्री संजय निषाद को बताता है फूफा

- पुलिस ने आरोपी कार ड्राइवर गोल्डेन साहनी को गिरफ्तार कर लिया है।
- हादसे के अगले दिन आरोपी गोल्डेन साहनी थाने में कपड़े चेंज किए और सफेद शर्ट पहनकर निकला।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में फॉर्च्यूनर से MBBS छात्र समेत 2 लोगों को रौंदने वाला आरोपी पुलिस कस्टडी में रंगबाजी से चलता नजर आया। वीडियो में दिख रहा है कि दो पुलिसकर्मी उसे पकड़े हैं। वह जींस की दोनों जेबों में हाथ डालकर स्टाइल में चल रहा है। आरोपी गोल्डेन साहनी की

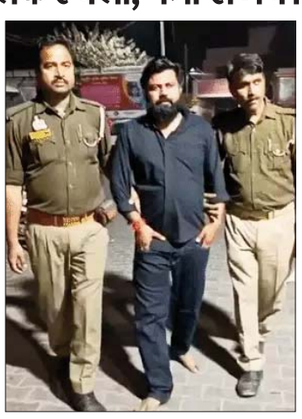

सोशल मीडिया पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के साथ कई रील हैं। उसकी मंत्री के साथ एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें उसने कैप्शन लिखा है- कैबिनेट मंत्री (फूफा)। वह खुद को भावी ब्लॉक प्रमुख पिपरौली भी बताता था। दरअसल, होली यानी बुधवार की रात फॉर्च्यूनर चला रहे गोल्डेन साहनी ने ओवरब्रिज पर MBBS छात्र आकाश पांडेय और उमेश शर्मा (50) को टक्कर मार दी थी। आकाश पांडेय की मौके पर मौत हो गई। जबकि उमेश शर्मा ने गुरुवार देर रात एम्स में दम तोड़ दिया। हादसे के एक घंटे बाद पुलिस ने आरोपी को ट्रेस करके पकड़ लिया और थाने ले गई। उस समय उसने ब्लैक शर्ट और जींस पहनी हुई थी। अगले दिन यानी गुरुवार को जब पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, तो वह सफेद शर्ट में नजर आया। यानी, हिरासत में उसने पकड़े भी चेंज किए। आरोपी गोल्डेन साहनी का एक और वीडियो सामने आया है।

कार्यवाई : लखनऊ में डेथ सर्टिफिकेट पर साइन कराया, परिजनों के हंगामे पर आईसीओ से जिंदा निकली

डिलीवरी के बाद जिंदा महिला को मृत घोषित किया

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र स्थित कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद एक महिला की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टरों ने पहले महिला को मृत घोषित कर दिया, लेकिन जब उन्होंने दोबारा दिखाने की जिद की तो उसकी सांसें चलती मिलीं। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने उसे रेफर कर दिया। हालांकि, कुछ घंटे बाद महिला की केजीएमयू में मौत हो गई। इस्माइल नगर, थाना नगराम निवासी आशु रावत की पत्नी चांदनी कुमारी (22) को गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे डिलीवरी के लिए कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के बाद उसने बेटे को जन्म दिया। परिजनों के मुताबिक देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन महिला को लेकर बलरामपुर अस्पताल

डेथ सर्टिफिकेट पर करवा लिया था साइन

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने उन्हें कई तरह की बात बताकर गुमराह किया। लगातार ब्लड मंगवाते रहे। बाद में बताया कि और ब्लड जरूरत है। महिला के भाई दिनेश कुमार ने आठ लोगों को खून देने लिए बुलवाया। उसके बाद भी अस्पताल वालों ने पैसे लिए। डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करवा लिए।

बार-बार रुपए जमा कराता रहा अस्पताल प्रबंधन

महिला के ससुर अनिल कुमार का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन इलाज के नाम पर बार-बार पैसे जमा कराता रहा। पहले 15 हजार रुपये जमा कराए गए, इसके बाद 18,500 रुपए और फिर करीब 25 हजार रुपए जमा कराए गए। इसी बीच महिला की हालत लगातार खराब होती गई और उसे आईसीयू में भर्ती कर खून चढ़ाया जाता रहा। परिजनों का कहना है कि कुछ देर बाद डॉक्टरों ने महिला को मृत बता दिया। इस पर परिवार के लोगों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। दोबारा दिखाने की मांग की। जब मरीज को बाहर लाया गया तो उसकी सांसें चलती पाई गईं। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने उसे तुरंत रेफर कर दिया।

पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए केजीएमयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार दोपहर में महिला की मौत हो गई। महिला के भाई दिनेश कुमार ने आठ लोगों को खून देने लिए बुलवाया। उसके बाद भी अस्पताल वालों ने पैसे लिए। डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करवा लिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपीएससी...

131 वीं रैंक पाकर वो IPS बनी थीं। हैदराबाद में IPS की ट्रेनिंग से छुट्टी लेकर सिविल सर्विस की पढ़ाई की। सेल्फ स्टडी के दम पर ये मुकाम पाया। UPSC ने अब तक सभी स्टेट और UTs के कुल 25 कैडर बनाए थे। इन्हें जियोग्राफिकली 5 जोन में बांटा गया था- नॉर्थ, वेस्ट, साउथ, सेंट्रल और ईस्ट। UPSC मेन्स क्लियर करने के बाद कैंडिडेट्स DAF II फॉर्म भरते थे जिसमें पहले जोन और फिर स्टेट प्रिफरेंस चुनने का मौका मिलता था। लखनऊ के पीयूष कपूर ने 402वीं रैंक हासिल की है। पीयूष 10 साल से अमेरिका (USA) में गूगल में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। पीयूष ने बताया- गूगल में सीनियर लीडरशिप रोल निभाते हुए तैयारी के लिए समय निकालना बड़ी चुनौती थी। मैंने टाइम जोन के अंतर को अपनी ताकत बनाया। मैंने अपनी पूरी तैयारी को एक 'डेटा-ड्रिवन' प्रोजेक्ट की तरह मैनेज किया। सिलिकॉन वैली से प्रशासन की ओर एक सफल ग्लोबल करियर के बाद भी मेरे मन में हमेशा देश के लिए कुछ करने की इच्छा थी। इस सफर में मेरे पिता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी (से.नि.) अरुण कपूर और मां रुचि कपूर के साथ बड़े भाई आयुष कपूर मेरी ताकत और प्रेरणास्रोत रहे हैं। लखनऊ के वनज विद्यान को 278वीं रैंक मिली है। वनज मूलरूप से बरेली के रहने वाले हैं। राजधानी में उन्होंने राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी के 2023 बैच से पासआउट हैं। उनके पिता डॉ. पंकज कुमार कृषि मंत्रालय में हैं। वहीं, मां वंदना रानी जापानी लैंग्वेज एक्सपर्ट हैं। इस साल 26 जनवरी को नेशनल यूथ आइकॉन के तौर पर राष्ट्रपति ने वनज को राष्ट्रपति भवन में बुलाया था। वनज इससे पहले पिछले साल विकसित भारत यंग लीडर कॉन्क्लेव के विनर रहे। पिछले साल जनवरी में भारत मंडपम में पीएम से उनकी मुलाकात हुई। उसी दौरान उन्होंने 10 मिनट तक पीएम मोदी को यंग लीडिंग का प्रेजेंटेशन दिया था। LLB करने के बाद इस समय सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे हैं। लखनऊ के अलीगंज निवासी आदर्श पांडेय को 347वीं रैंक हासिल हुई है। आदर्श ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई लखनऊ पब्लिक स्कूल की जानकीपुरम ब्रांच से की। उसके बाद सिटी लॉ कॉलेज चिनहट से एलएलबी ऑनर्स किया है। वह इससे पहले UPSC CSE-2024 भी पास कर चुके हैं। उसके बाद से भारतीय डाक सेवा में ट्रेनिंग ले रहे हैं। आदर्श का कहना है कि सेल्फ स्टडी और मजबूत योजना बनाकर कामयाबी हासिल की है। वह मूलरूप से अमेठी जिले के संग्रामपुर के रहने वाले हैं।उन्हीं के प्रोत्साहन की वजह से मैं आज इस मुकाम पर पहुंच पाया हूं।एक बार जिस स्टेट में ऑफिसर की नियुक्ति होती है, पुराने सिस्टम में मान लीजिए अगर कैंडिडेट ने नॉर्थ जोन के हरियाणा कैडर को प्रेफरेंस दिया। ऐसे में प्रॉबेबिलिटी रहती थी कि कैंडिडेट को अगर हरियाणा नहीं भी मिलता था तो राजस्थान या उत्तर प्रदेश मिल जाता था। लेकिन नए सिस्टम में एक जोन के भीतर अल्फाबेटिकली अरेंज स्टेट होते हैं। इसका मतलब H- हरियाणा, J-झारखंड और K- केरल एक जोन में होंगे। ऐसे में नियुक्ति हरियाणा के अलावा झारखंड, कर्नाटक और केरल भी मिल सकता है। परमानेंट उसी स्टेट में काम करना होता है। इसे ही कैडर कहते हैं।

28 फरवरी को चुनाव आयोग ने पोस्ट-SIR के बाद संशोधित वोटर लिस्ट जारी की थी। इसके बाद सत्तारूढ़ TMC और चुनाव आयोग के बीच टकराव तेज हो गया है। 28 फरवरी को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर में SIR प्रक्रिया शुरू होने के बाद से करीब 63.66 लाख नाम यानी कुल मतदाताओं के लगभग 8.3% नाम सूची से हटाए गए हैं। इसके बाद राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.66 करोड़ से घटकर करीब 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को 'अंडर एडजुडिकेशन' श्रेणी में रखा गया है। इसका मतलब है कि उनकी पात्रता आने वाले हफ्तों में कानूनी जांच के बाद तय की जाएगी। इससे कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। 28 फरवरी को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर में SIR प्रक्रिया शुरू होने के बाद से करीब 63.66 लाख नाम यानी कुल मतदाताओं के लगभग 8.3% नाम सूची से हटाए गए हैं। इसके बाद राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.66 करोड़ से घटकर करीब 7.04 करोड़ रह गई है।

ममता बनर्जी...

बिजली तार विवाद में महिला पर हमला

रामपुर। रामपुर में बिजली के तार हिलाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला और उसके दो बेटों पर हमला किया गया। इस हमले में महिला के हाथ और पैर टूट गए, जबकि उसके दोनों बेटे भी घायल हो गए। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के शादी की मढ़ेया गांव में हुई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पड़ोसियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला किया। घायल युवक समीर ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बताया कि उसके गांव में बिजली के पोल की तार हिलाने को लेकर विवाद हुआ था। समीर का आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर गांव के पड़ोसी मुस्तकीम, जाफरान और असीम उनके घर में घुस आए। उन्होंने उसकी मां नसीरान पर लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे उनके हाथ और पैर टूट गए। समीर ने बताया कि जब उसने और उसके भाई रईस ने अपनी मां को बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन दोनों को भी बेरहमी से पीटा, जिससे वे भी घायल हो गए। घटना के बाद परिजन घायलों को लेकर थाना सिविल लाइंस पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी।

पूर्व मुस्लिम सलीम को 7 दिन बाद होश आया

हमलावरों के पिता बोले- बेटों का फर्जी एनकाउंटर हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। खुद को Ex-मुस्लिम कहने वाले गाजियाबाद के सलीम वास्तिक को हमले के 7 दिन बाद गुरुवार को होश आया है। वह दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल के ICU में ही हैं। अस्पताल ने उनके बेटे उस्मान को एक वीडियो दिया है। 5 सेकेंड के इस वीडियो में सलीम वास्तिक बेड पर दिख रहे हैं। ऑक्सीजन लगी है। गले पर टांके लगे हैं। डॉक्टर कहते हैं- सलीम...। वो (सलीम) आंख खोलकर देखते हैं। डॉक्टर कहते हैं- जीभ बाहर निकालो...। सलीम जीभ बाहर निकालते हैं। परिवार को बताया गया है कि ऑपरेशन के बाद अब सलीम की स्थिति बेहतर है। दवाएं असर दिखा रही हैं। बेटे उस्मान को डॉक्टरों ने यह भी बताया कि सलीम अभी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वो आगे बोल सकेंगे या नहीं, ये अभी क्लियर नहीं है। हॉस्पिटल में सलीम के बेटे उस्मान और

रिश्तेदार मौजूद हैं। उस्मान कहते हैं- पहले जीटीबी हॉस्पिटल और अब मैक्स हॉस्पिटल में पापा की स्थिति सीरियस बनी हुई थी। 27 फरवरी को हमला होने के बाद पहली बार 5 मार्च को उन्हें होश आया, हमें तो अंदर जाने नहीं दिया जाता है। चाकू लगने से जो लिवर डैमेज हुआ है, उसको भी दवाओं से रिकवर करने का प्रयास चल रहा है। हालांकि, डॉक्टर ने यह भी कहा कि जख्म बहुत गहरे हैं और पूरी तरह ठीक होने मे काफी समय लग सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676